

Evolution Fast Forward - Part 3 शीघ्रसर क्रम-विकास भाग-

३

Parts of the Being and Planes of Consciousness

अस्तित्व के अंग और चैतन्य क्षेत्र

1. Introduction: Vertical and Horizontal Systems

	Audio	
1	Our body is composed of many parts and systems.	हमारे शरीर कई भागों और प्रणालियों से बना है।
2	This is an objective view.	ये एक निष्पक्ष रूप है।
3	Sri Aurobindo gives us a subjective view.	श्री औरोबिन्दो हमें एक आत्मिक रूप दिखाते हैं।
4	This is a symbolic map of our psychological parts.	यह हमारे मनोवैज्ञानिक अंश का एक संकेतिक नक्शा है।
5	In our normal waking state we can access only a small part of our consciousness.	हमारे सामान्य जागृत अवस्था में, हम अपनी चेतना के केवल एक छोटे से भाग तक ही पहुंच हैं।
6	But through yoga, we can access a wider range: above, below and within.	लेकिन योग के माध्यम से हम पहुंच सकते हैं चेतना की शिखर, गहराई और अंदर फैले विस्तृत क्षेत्र तक.
7	There are two systems in the organisation of the being and its parts.	अस्तित्व और उसके हिस्सों के संगठन में दो प्रणालियां हैं

8	There is a vertical system spanning above and below.	एक ऊर्ध्वाधर प्रणाली है जो चेतना की शिखर से गहराई तक विस्तृत है।
9	There is also a concentric system.	एक संकेंद्रित प्रणाली भी है।
10	These two systems are simultaneously active.	ये दोनों प्रणालियां एक साथ सक्रिय होती हैं।
11	On the vertical axis, the ranges above are superconscious.	ऊर्ध्वाधर धुरी के ऊपरी मंडल परम चेतना की हैं।
12	And the ranges below are subconscious and inconscient.	और नीचे के मण्डल हैं अवचेतन और अचेतन के।
13	Our normal waking state is only the outer surface of consciousness.	हमारा सधरन जाग्रत अवस्था चेतना की केवल बाहरी सतह है।
14	Behind our waking state, are the vast inner ranges that are.	हमारे जागृत अवस्था के पीछे, विशाल आंतरिक मण्डल हैं जो
15	Our true being, the soul, is the inmost.	हमारा सच्चा अस्तित्व है। आत्मा, उसका सबसे अंतरतम है।
16	The concentric system is grouped as the outer, the inner and the inmost.	संकेंद्रित प्रणाली को बाहरी, अंतरतर और अंतरतम भाग में समूहित किया जाता है
17	We are unaware of what is inner and the inmost, as well as what is above and below.	हम अंतरतर और अंतरतम भाग के साथ-साथ ऊपर और नीचे की बातों के बारे में अज्ञ हैं।
18	We are aware only of the surface.	हम केवल सतह से अवगत हैं।
19	By stepping inward, we can observe the surface movements of our consciousness.	अपने अंदर स्थित होकर, हम अपनी चेतना के सतही गतिविधियों का निरीक्षण हम कर सकते हैं
20	Thoughts are experienced in the region of our head.	विचार हमारे सिर के क्षेत्र में अनुभवित होते हैं

21	The movements of emotions, passions, drives and desires are experienced in the chest and below.	भावनाएं, उत्कटेच्छा, उद्यम और वासनाओं की गतिविधियां वक्षस्थल और उसके नीचे के भागों में अनुभव किया जाता है
22	From the hip and below, are the largely unconscious movements.	कूल्हे और उसके नीचे के गतिविधियां, मोटे तौर पर अचेतन के हैं।
23	We are normally lost in these surface movements.	सामान्यतह हम इन सतही गतिविधियों में लुप्त रहते हैं।
24	These movements reflect three different parts of our being - Mind, Vital and Physical.	ये गतिविधियां हमारे अस्तित्व के तीन विभिन्न अंश को प्रकट करती हैं - मन, प्राण और शरीर ।
25	These three parts are woven into each other in their normal operations.	ये तीन भाग अपने सामान्य कार्यवाहियों में एक दूसरे में घुले हुए होते हैं।
26	Discerning these three parts and their intermixing is the first step into our inner world.	इन तीन हिस्सों को और इनके अंतर्मिश्रण को परखना पहला कदम है हमारे अंतरतम दुनिया में।

2. Physical: The Consciousness of the Body

स्थूल : शरीर की चेतना

No	VO	
1	Our body has a consciousness that's quite personal to it.	हमारे शरीर की एक चेतना है जो उसके लिए अत्यंत व्यक्तिगत होती है।
2	There is an automatic intelligence and organisation at work	एक स्वचालित बुद्धिमत्ता और संगठन सक्रिय है
3	managing incredibly complex operations,	अविश्वसनीय रूप से जटिल कार्य प्रणाली का संचालन मे
4	keeping the body in a dynamic and healthy equilibrium.	शरीर मे एक परिवर्तनशील और स्वस्थ संतुलन बनाये रखने मे.
5	Our waking state knows only some surface movements	सचेत अवस्था में हमे केवल कुछ सतही गतिविधियों का ही पता रहता है
6	of thoughts, ideas, imaginations, waves of emotions, drives, desires and sensations.	विचारों, धारणाओं, कल्पनाओं, भावना तरंगों,, प्रवृत्तियों, वासनाओं और सवेदनाओं का
7	We have no access to the consciousness of the body.	शारीर की चेतना तक हमारी पहुँच नहीं है ।
8	The body regulates itself independent of our conscious mind.	मानसिक चेतना से स्वतन्त्र रह कर, शरीर स्वयं को व्यवस्थित करता है ।
9	It is habitual in its operations, reflecting the mechanics of matter.	इसकी कार्यवाहियां अभ्यसिका होती हैं जो कि तत्व की यंत्रवत प्रक्रियाओं को दर्शाती है ।

10	The body is a product of evolution of consciousness in matter.	तत्त्व में चेतना का क्रमागत विकास से शरीर उत्पन्न हुआ है।
11	It carries with it, the inertia of matter.	ये (चेतन) वहन करती है तत्त्व की जड़ता को.
12	The body consciousness conserves and preserves all its habitual movements.	शरीर की चेतना अपने सभी अभ्यसिका कार्यवाहों को सुरक्षित और संरक्षित करता है
13	It makes our daily movements into routine habits.	यह हमारे दैनिक गतिविधियों को नित्य अभ्यस बनाता है।
14	This allows the habits to animate our daily life independent of our conscious mind.	इस (प्रक्रिया) से, मनसिक चेतना से स्वतन्त्र रहकर, अभ्यसो को दैनिक जीवन का प्रचालन की छुट मिलती है
15	Our senses operate habitually.	हमारी इन्द्रियां अभ्यसो से संचालित होती हैं
16	Our desires become habits under the influence of the body consciousness.	शरीर की चेतना से प्रभावित होकर हमरी इच्छाएं भी अभ्यस मे अन्तरित हो जाती है
17	So are the emotions made into habits.	वैसे ही भावनाएं भी आदतों में परिवर्तित हो जाती हैं।
18	The body consciousness makes even our thoughts into habits.	शारीरिक चेतना हमारे विचारों को भी अभ्यसो में परिवर्तित कर देती है।
19	Thus our psychological habits get preserved in the body consciousness.	इस प्रकार हमारे मनोवैज्ञानिक अभ्यासे शारीरिक चेतना में सुरक्षित हो जाती हैं।
20	The cells of our body retain them.	हमारे शरीर की कोशिकाएं उन्हें बनाए रखती है।

21	As we get old, the habits get etched deeper into the body and will be more difficult to change them.	आयुर्वृद्धि से, अभ्यासे शरीर में और गहरी होती जाती हैं और उन्हें बदलना ज़्यादा कठिन होता है।
22	The body is also the reservoir of our long evolutionary journey.	शरीर हमारे लंबे क्रमागत-विकास के यात्रा का संग्रह भी है।

23	It preserves our past as habitual movements.	हमारे अतीत को बचाये रखता है अभ्यस्त प्रवृत्तियों के रूप में।
24	The physical consciousness is passive, habitual and mechanical.	शारीरिक चेतना निष्क्रिय, अभ्यस्त और यांत्रिक होता है।
25	It responds habitually to external contacts.	बाहरी संपर्कों पर प्रतिक्रियाएँ अभ्यास से प्रेरित होते हैं
26	Its movements are random and dispersive.	इसकी क्रिया अनियंत्रित और अस्त-व्यस्त होती है।
27	However, its instinct is to persist. Physical self-preservation and resistance to change are native to it.	फिर भी, इसकी प्रकृति टिकी रहती है। दैहिक आत्मरक्षण और परिवर्तन का प्रतिरोध इसके लिए स्वाभाविक हैं।
28	And its refusal to change is one of the greatest obstacles in transforming ourselves.	यह परिवर्तन का प्रतिरोध सबसे बड़ी अड़चन है हमारे रूपांतरण में।
29	It has a will of its own quite independent of the will of the conscious mind and its ideas.	इसकी अपनी संकल्प-शक्ति होती है जो सचेत मनस की इच्छा-शक्ति और धारणाओं से स्वतंत्र है।
30	It can learn new movements but this requires repetition of the movement till it become automatic and habitual.	यह नए क्रियाओं को सीख सकता है लेकिन इसके लिए दोहराव की आवश्यकता होती है, जब तक कि ये यन्त्रवत और अभ्यस्त नहीं हो जाते
31	Since the physical consciousness is passive it can be moulded by constant repetition.	चूँकि शारीरिक चेतना अप्रतिरोधी है, इसे लगातार दोहराव के द्वारा ढाला जा सकता है।

32	The passivity of the physical consciousness is exploited by the advertising industry to create new habits by repeated impressions.	शारीरिक चेतना की जड़ता का उपयोग करते हुए ही तो विज्ञापन उद्योग पुनः-पुनः मतारोपण से नये अभ्यासों की उत्पत्ति करते हैं
33	The physical consciousness learns slowly but once it acquires a skill it will preserve the skill faithfully and does the movements automatically without any active control by the mind.	भौतिक चेतना सीखता है मन्द गति से, पर प्रवीणता प्राप्ति उपरान्त, कौशल का निष्ठापूर्वक रक्षण और मानसिक नियंत्रण के बिना, यंत्रवत प्रयोग करता है।
34	- like typing, driving, swimming, dancing and playing musical instruments. These skills stay like a memory in the body.	- टाइपिंग, वाहन चालन, तैराकी, नृत्य और संगीत वाद्य बाजन. ये कौशल शरीर में एक स्मृति की तरह रह जाती हैं।
35	Then we say that the movement has become effortless.	तब हम इन कौशलों को अनायास कहते हैं।
36	Thus, the passivity of the physical consciousness becomes a great advantage as it can transmit and express, outwardly, the inner movements.	इस तरह, भौतिक चेतना की निष्क्रियता ही अत्यंत लाभदायक सिद्ध होती है क्योंकि यह आंतरिक प्रक्रियाओं को बाहर प्रसारित और अभिव्यक्त कर पाती है।
37	The physical consciousness can be made supple and receptive through physical education.	शारीरिक चेतना शारीरिक शिक्षा के माध्यम से लचीला और ग्रहणशील बनाया जा सकता है।
38	A well-trained body becomes a receptive instrument, capable of expressing higher consciousness.	प्रशिक्षित शरीर एक ऐसा ग्रहणशील निमित्त बन जाता है, जो उच्च चेतना को व्यक्त करने में सक्षम है।

3. Vital: The Life Force प्राणाधार : जीवन शक्ति

No	VO	
1	The nature of the vital is fluid and dynamic.	प्राणिक चेतना प्रकृति से तरल और गतिशील होता है।
2	It is the prana or the life-force that transforms matter into living substance.	प्राण या जीवनी शक्ति ही तत्त्व को जीवित पदार्थ में परिवर्तित करती है।
3	It brings in the movement of growth,	यह विकास प्रक्रिया का आगमन करता है।
4	develops the senses,	इंद्रियों को विकसित करता है,
5	and emerge as complex nerve currents.	और पेचीदे नाड़ी-प्रवाहों में उभरता है।
6	This life-force eventually bursts out as the spectacular vitality and play of life on earth.	अंततः यह जैव शक्ति पृथ्वी पर एक दर्शनयोग्य ओजस और जीवन-लीला के रूप में उमड़ पड़ता है।
7	It is the same energy that animates human life.	यह वही ऊर्जा है जो मानव जीवन को सजीव करता है .
8	Our breath and heartbeat are the most tangible physical rhythms of the vital energy animating the body.	हमारी श्वास और धड़कन सबसे ठोस भौतिक लय हैं इस प्राणिक-शक्ति का, जो हमारे शरीर को जीवन देती है।
9	Practices like pranayama and Hatha Yoga are some of the physical methods which energise and balance the vital energy in the body.	प्राणायाम और हठ योग जैसे प्रथाएं शरीर में प्राणिक शक्ति को सक्रिय और संतुलित करते हैं।

10	Sri Aurobindo approaches the vital energy from a psychological perspective.	श्री अरबिंदो एक मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्राणिक शक्ति का परिक्षण करते हैं।
11	The surface movements of the vital are subjectively experienced predominantly in the frontal region of the body.	प्राण के सतही गतिविधियों का आत्मगत रूप से अनुभव मुख्यतः शरीर के अग्र-भाग में किया जाता है।
12	These surface movements can be broadly grouped into three:	इन सतही गतिविधियों को मोटे तौर पर तीन समूहों में बांटा जा सकता है:
13	The Higher vital or the region of emotions	उच्च प्राणा-कोष अथवा भावनात्मक क्षेत्र
14	The Central vital which is the region of strong drives and passions	केंद्रीय प्राण-कोष प्रबल प्रेरणा और उत्कटेच्छा का क्षेत्र है।
15	And the Lower vital, that is the region of small impulses, desires and sensual cravings	लघु प्राण-कोष छोटे-छोटे आवेगों, इच्छाओं और कामुक लालसाओं का क्षेत्र है।
16	The word lower vital is not used in any derogatory sense; it refers only to its position in the hierarchy of the planes.	लघु प्राण-कोष किसी अपमानजनक मायने में प्रयोग नहीं किया जाता है.. केवल चेतना-स्तर के पदानुक्रम में अपनी स्थिति का उल्लेख करता है।
17	Learning to distinguish these parts is a necessary step towards the mastery of the vital.	इन खण्डों में अंतर समझना एक महत्वपूर्ण कदम है प्राण-कोष पर आधिपत्य पाने के लिए।

7	It seeks new sensations.	यह नई उत्तेजना चाहता है
8	It demands immediate satisfaction of its impulses.	यह अपने आवेगों की तत्काल संतुष्टि की मांग करता है।
9	Quarrels, jealousy, envy and petty angers are its movements.	कलह, ईर्ष्या, डाह और खीझ इसकी गतिविधियां हैं।
10	Our likes and dislikes, attractions and repulsions are its contribution.	हमारी पसंद और नापसंद, आकर्षण और घृणा इसी के योगदान हैं।
11	Greed and lust are its perverse movements.	लालच और वासना इसके विकृत गतिविधि हैं।
12	In general, it is obscure, ignorant, egoistic, selfish, impulsive, random, turbulent, and undisciplined.	सामान्य तौर पर, यह अस्पष्ट, अज्ञानी, अहंकारी, स्वार्थी, आवेगी, अनियमित, अशांत और अनुशासनहीन है।

13	It often hijacks reason.	अक्सर यह तर्कशक्ति को अपने वश में कर लेता है।
14	It revolts against discipline.	ये अनुशासन का विद्रोह करता है।
15	It is also the seat of all our fears.	और हमारे सभी भयों का डेरा भी है।
16	Fears arise from here and grip other parts of our being.	भय यहीं से उत्पन्न हो कर प्राणियों के अन्य भागों को जकड़ लेता है।
17	Many traditions have tried to demonise the lower vital.	कई परंपराओं में निम्नप्राण को तिरस्कृत करने का प्रयत्न किया गया है।
18	The ascetic denial is a common way.	संन्यासी का नकार एक साधारण मार्ग है।
19	But integral yoga demands not a denial but a mastery over the lower vital and its transformation.	परन्तु पूर्ण योग की मांग नकार नहीं, निम्न प्राण कोष का आधिपत्य और कायापलट है
20	The first step towards such mastery is to stand back from lower vital impulses and observe it with detachment.	इस तरह का प्रभुत्व प्राप्त करने का पहला कदम है निम्न प्राण-कोष के उत्तेजनाओं से पीछे हट के उस का अवलोकन करना।
21	Then, to bring it under the control of reason.	फिर, इसे बुद्धिशक्ति के नियंत्रण में लाना।
22	The next step is to develop equanimity towards all sensations.	अगला कदम है सभी उत्तेजनाओं के प्रति समता को विकसित करना।
23	Further, the senses can be refined through beauty and aesthetic delight.	इसके बाद, इंद्रियों को सुसंस्कृत किया जा सकता है सौंदर्य और सुरुचिपूर्ण आनंद से।

24	When the psychic influence permeates the lower vital, it opens to a deeper transformation and refinement.	निम्न प्राण-कोष में जब आत्मिक प्रभाव व्याप्त हो जाता है, तब ये एक गहरे परिवर्तन और परिशोधन के लिए सहमत हो जाता है।
25	A greater transformation happens when the descending higher consciousness establishes perfect equanimity and equal delight in all experiences.	एक बृहत्तर परिवर्तन तब होता है जब अवरोही उच्च चेतना सभी अनुभवों में पूर्ण समता और समान अनंद की स्थापना करता है।
	5. Central Vital: The Force for Action and Creation	केन्द्रीय प्राणकोष : कार्य और निर्माण शक्ति
1	The central vital is the most dynamic expression of the life-force in us.	केंद्रिक प्राणकोष हमारे जीवन-शक्ति की सबसे सक्रिय अभिव्यक्ति है।
2	Its movements are experienced in the region of the navel.	इसकी गतिविधियां नाभि के क्षेत्र में अनुभूत होती हैं।

3	A strong central vital is one that is full of life-force.	एक प्रबल केंद्रीय प्राणकोष जैव-शक्ति से भरपूर होता है।
4	And has great energy	और महान ओजस्वी भी होता है।
5	It is courageous and heroic.	ये साहसी और शूरवीर है।
6	It is ambitious.	यह महत्वाकांक्षी है
7	Unlike the lower vital it is not bound by comforts or sensory pleasures.	निम्न प्राणकोष के विपरीत यह आराम या ऐन्द्रिय विलासों से बाध्य नहीं है।
8	It is daring and adventurous.	यह दिलेर और दुस्साहसी है।
9	A large expansive movement is natural to it.	एक विशाल प्रशस्त चलन इसके लिए स्वाभाविक है।
10	It brings generosity in giving.	यह दान में उदारता व्यक्त करता है।
11	It has the drive for leadership	यह नेतृत्व
12	and domination.	और प्रभुत्व के लिए प्रेरित होता है।
13	It brings the urge to expand and to conquer.	जीत हासिल करना और विस्तार करना उसकी प्रबल इच्छाएं हैं
14	It throws itself out in the wider movements of life.	जीवन के विस्तृत हलचलों में यह खुद को छितरा देता है।
15	It is responsive to the greater objects of Nature.	यह प्रकृति के महत्तर विषयों के प्रति उत्साहित होता है।
16	It is a force for action and creation,	यह कार्य और सृजन की शक्ति है ,

17	...a power to fulfil and materialise.	... कार्य को पूरा करने और कार्यान्वित होने क बल।
18	It brings forth the competitive spirit.	यह मुकाबले की भावना को आगे लाता है।
19	It is ruthless.	यह क्रूर है।
20	The central vital brings a stupendous play of passions into life...	केंद्रिक प्राणकोष भावनाओं का एक अद्भुत खेल को जीवन में प्रकट करता है ...
21	the fury of anger, wrath and revenge are its blazing intensities.	क्रोध की प्रचंडता, रोष और प्रतिशोध इसकी प्रखर उत्कटताएँ हैं।
22	It drives us to seek power and status in society.	यह हमें समाज में प्राधिकार और प्रतिष्ठा पाने के लिए प्रेरित करता है।
23	It is the seat of strong desires and passions.	यह प्रबल इच्छाओं और मदहोशी का गढ़ है।
24	This energy is like a wild horse.	यह ओजस मदमस्त हाथी की तरह है।
25	The yogic process seeks to tame and master this great energy of Nature.	योग प्रक्रिया का ध्येय प्रकृति की इस महान शक्ति को वश में करना और उसपर प्रभुत्व पाना है
26	It brings impatience and restlessness in our action.	यह हमारी कार्यों में अधीरता और व्यग्रता लाता है

27	The main difficulty of the central vital is the pride of its ego and the attraction of its powers.	केंद्रिक प्राणकोष का मुख्य दोष है अपने अहम् का अभिमान और अपनी शक्तियों के प्रति आकर्षण।
28	It is often difficult for such a vital to surrender itself because of this sense of its own powers.	अपने शक्तियों से ज्ञात होने से, प्रायः ऐसे प्राणकोष को आत्मसमर्पण करने में बहुत दिक्कत होती है।
29	The power of reason and strong self-discipline are helpful in mastering the central vital but not sufficient.	केन्द्रिक प्राणकोष पर प्रभुत्व पाने में तर्कशक्ति और दृढ़ आत्मानुशासन उपयोगी है पर पर्याप्त नहीं।
30	It is necessary to detach from its strong movements.	इसके प्रभावशाली गतिविधियों की ओर त्याग भाव अनिवार्य है।
31	This would enable us to reject its strong waves gripping the mind.	यह हमें सक्षम करेगा मन को प्रभावित करनेवाले तरंगों का उपेक्षा करने में।
32	Equanimity over its movements is a necessary condition.	इसके हलचलों को समता से झेलना अत्यावश्यक है।
33	However, to transform the central vital, it must come under the influence of the psychic.	फिर भी, केंद्रीय प्राणकोष के रूपांतरण के लिए, इसे आत्मिक प्रभाव में आना ज़रूरी है।
34	In the later stages of the yoga, the descending higher consciousness takes up and transforms the central vital into a divine instrument.	योग के देर के चरणों में, अवरोही उच्चतना केन्द्रिक प्राणकोष को दिव्य-अस्र में रूपांतरित कर देता है।
35	The development and mastery of the central vital brings a great abundance of steady and inexhaustible energy.	केंद्रीय प्राणकोष के विकास और उस पर प्रभुत्व लाता है एक स्थिर और अक्षय ऊर्जा का बाहुल्य।

	6. Higher Vital: The Emotional Being	उच्च प्राणकोष : भावात्मक जीव
1	The higher vital is the emotional being in us.	उच्च प्राणकोष हमारा भावप्रधान जीव है।
2	It covers the field of emotions rather than sensations and desire.	इसका विचरण भावनाओं के क्षेत्र में है न कि ऐन्द्रिक उत्तेजना और कामनाओं में।
3	It is the seat of all our feelings, experienced in the heart region.	यह हमारे सभी भावनाओं का केंद्र है, और हृदय क्षेत्र में इसकी अनुभूति होती है।

4	Our love and joy, sorrow and grief, hopes and despair are the easily observable movements of the higher vital.	प्रेम, आनन्द, दुःख-दर्द, आशा और निराशा, उच्च प्राणकोष के गतिविधियों में प्रकट होते हैं।
5	It brings the thirst for emotional intimacy and bonding...	यह भावनात्मक घनिष्ठता और संबंध स्थापित करने की तीव्र इच्छा जगाती है ...
6	In human relationships, emotional intimacy easily moves towards sensual intimacy which is a lower vital movement.	मानवीय रिश्तों में, भावनात्मक संबंध शीघ्र ही कामुक रंग ले लेती हैं जो की लघु प्राणकोष प्रवृत्ति है।
7	Family spaces are the most common playground of the emotional being.	भावनात्मक अस्तित्व की सबसे साधारण क्रीड़ास्थल है पारिवारिक समुदाय।
8	Emotionalism and sentimentality are the common expressions of the higher vital.	भावना और भावुकता उच्च प्राणकोष के सामान्य अभिव्यक्ति हैं।
9	This emotional being is responsible for our emotional attachments and vulnerability.	यह भावुक आत्म ही हमारे भावनात्मक बंधन और अतिसवेदनशीलता का जिम्मेदार है।
10	Our emotions are habitual waves.	हमारी भावनाएं प्रथागत धाराएं हैं ..
11	Their action is largely regulated by emotive memory.	जिनकी कार्यवाही काफी हद तक भावनात्मक स्मृति से नियंत्रित होती है।
12	They can be changed by conscious will.	जो चैतसिक संकल्प द्वारा बदला जा सकता है।
13	The deformations of the emotional being come from the duality of emotional attractions and repulsions.	भावनात्मक आकर्षण और विकर्षण के द्विभाजन से ही भावनात्मक अस्तित्व में विकृति पैदा होती है।

14	It gets more complex when it is mixed with the lower and central vital desires and drives.	निचले और केन्द्रिक प्राणकोष के इच्छाओं और आकांक्षाओं में मिश्रित हो कर यह और अधिक जटिल हो जाता है।
15	All this further invades the intelligent will of the mind and often makes it a helpless slave of the emotions.	और फिर, ये सब बुद्धिमत्ता पर हावी हो कर अक्सर इसे भावनाओं का असहाय दास बना देते हैं।
16	A vigilant rejection of these mixtures is a necessary step in the purification of the mind and emotions.	इन मिश्रणों की सतर्क अस्वीकृति, मन और भावनाओं के शुद्धि में एक आवश्यक कदम है।
17	Charity and selfless service or seva are the common methods used by many to broaden the heart and its emotions.	कई लोग परोपकार और निस्वार्थ सेवा का इस्तेमाल करते हैं हृदय और उसकी भावनाओं में उदारता लाने के लिए।
18	Humanitarian works are its natural domains.	मानवतावादी कार्य इसके स्वाभाविक कार्यक्षेत्र हैं।
19	However, all these are still an outward turn of the emotional being.	हालांकि, ये सब फिर भी भाव-आत्म के एक बाहरी झुकाव हैं।

20	Integral yoga demands an inward turn to find the soul within.	एक आंतरिक झुकाव अत्यावश्यक है पूर्णयोग में आत्मन को खोजने के लिए।
21	Compared to the lower and central vital, the higher vital is much easier to surrender.	निचले और केंद्रीय प्राणकोष के मुकाबले, उच्च प्राणकोष का आत्मसमर्पण ज़्यादा आसान है।
22	The more it gets influenced by the psychic, the more the emotional being gets refined.	भाव-आत्म में जितनी अधिक चेतना जागेगी, उतना ही वह निर्मल होता जायेगा।
23	The yoga of love, bhakti yoga, turns the emotional being towards the divine and seeks intimacy and union with the divine.	भक्ति योग, भाव-आत्म को ईश्वर की ओर झुकाव कराता है और परमात्मा के साथ आत्मीयता और ऐक्य का प्रयास करता है।
24	When the heart is purified, the vital emotions change into psychic feelings.	जब हृदय शुद्ध हो जाता है, तो प्राणकोष मनोभाव चैतसिक भावनाओं में परिवर्तित हो जाती हैं।
25	By opening upward to the descending force and its peace, calm, and equanimity, the emotional being undergoes spiritual transformation.	अवरोहिक शक्ति और उसकी शांति, निश्चलता और समता को आत्मसमर्पण करने पर भावनात्मक अस्तित्व में आध्यात्मिक परिवर्तन आता है
26	The purified heart has a universal love. It can receive with an untroubled sweetness and clarity the various delights which God gives it in the world.	शुद्ध हृदय में सार्वभौमिक प्रेम रहता है। यह शांत माधुर्य और अनमैलपन के साथ परमेश्वर के दिए विभिन्न खुशियों का आनंद ले सकता है।

7. Mind: cognition and intelligence

मनस : अनुभूति और बुद्धि

No	The Mind	
1	The mind deals with our cognition and intelligence.	मन हमारे परिज्ञान और बुद्धि से संबंधित है
2	The mental vision and will are part of this intelligence.	मानसिक दृष्टिकोण और संकल्प इस बुद्धि के अंग हैं।
3	It can envision future possibilities.	यह भविष्य की संभावनाओं की कल्पना कर सकता है
4	It can interpret the past.	यह अतीत की व्याख्या कर सकता है।
5	It can see the flow of time from the past to the future.	यह अतीत से लेकर भविष्य तक का समय के प्रवाह को देख सकता है।
6	The mind lives in its thoughts and ideas of the past, present and the future.	मन अपने अतीत, वर्तमान और भविष्य के विचारों और अनुभूतियों में रहता है।
7	Its movements are experienced in the head.	इसकी गतिविधियां मस्तक में अनुभव किये जाते हैं।

8	The human mind has an evolutionary past.	मानव मन का एक क्रम-विकास का अतीत है।
9	It has emerged in the context of the body animated by the life force.	यह भौतिक संदर्भ में उभरा है और जीवन शक्ति द्वारा अनुप्राणित है।
10	Both the physical and the vital have their corresponding parts in the mind.	मानव मन में दोनों भौतिक और प्राणकोष के अनुरूपित भाग हैं।
11	The physical part of the mind has an outward turn through the senses.	मन के भौतिक भाग में इंद्रियों के माध्यम से एक बाह्य झुकाव होता है।
12	The vital part of the mind views everything through its emotions and desires.	मन का प्राणिक भाग अपनी भावनाओं और इच्छाओं के माध्यम से सब कुछ देखता है।
13	It is only in the mind that intelligence and will are free from the limitations of the senses, emotions and desires.	बुद्धि और इच्छाशक्ति केवल मनसामय कोष में ही इंद्रियों, भावनाओं और इच्छाओं के बन्धन से मुक्त रहता है।
14	In our normal state, all these three parts are mixed up.	हमारे सामान्य चेतना के अवस्था में, ये तीन भाग मिश्रित रहते हैं।
15	Their operations are to be clearly distinguished.	उनके प्रक्रियाओं का स्पष्ट रूप से अंतर जान लेना चाहिए।
16	However, this is only a surface consciousness.	हालांकि, यह केवल एक सतही चेतना है।
17	There is vast subliminal inner mind behind this surface.	इस सतह के पीछे विशाल उदात्त आंतरिक मन है।
18	There are also the spiritual ranges of the mind above.	इसके अतिरिक्त मन के उच्च स्तरों में अनेक आध्यात्मिक श्रेणियां हैं।

19	All this together constitute the full spectrum of the Mind.	यह सब मिल कर मन के पूर्ण वर्णक्रम का गठन करते हैं।
20	In our normal waking state we access only the surface parts.	हमारे सामान्य जागृत अवस्था में हम केवल सतही भागों का उपयोग करते हैं।

8. Physical Mind भौतिक मनस

No	VO	
1	The physical mind, as the name suggests, is a composite of both mental and physical consciousness.	भौतिक मन, जैसा कि नाम से संकेत मिलता है, मानसिक और शारीरिक चेतना - दोनों का एक संयोजन है।
2	It has two parts.	इसमें दो भाग हैं
3	The physical involved in the mind creates the physical mental or the Externalising Mind . It is occupied with the externalisation of the mind.	मस्तिष्क में शामिल भौतिक ही दैहिक-मन या बाह्य झुकाव वाला मन निर्मित करता है यह मन के बाहिरि प्रक्रियाओं में व्यस्त रहता है।
4	The mind involved in the physical creates the mental physical. It is the mechanical or the habitual mind.	भौतिकता में लिप्त मन ही मानसिक देह निर्मित करता है। यह यांत्रिक या अभ्यासगत मन है।
5	The Externalising Mind is part of the mental consciousness	बाह्य झुकाव वाला मन मानसिक चेतना का अंग है।
6	Whereas the mental physical is part of the physical consciousness.	जबकि मानसिक-देह भौतिक चेतना का अंग है।
7	They are closely tied and work together.	ये करीबी रूप से बंधे हुए हैं और मिल कर काम करते हैं।
8	The term physical mind may mean any one of these two or both together.	भौतिक-मन का मतलब इनमें से कोई एक या दोनों एक साथ हो सकता है।

9	However, only the externalising mind is part of the mind proper.	लेकिन, केवल बहिर्व्यक्त मन मुख्य मन का अंग है।
10	This part externalises the mind through speech.	यह मन की बहिर्व्यक्ति भाषण से करता है
11	It is an instrument of ordered action on physical things.	यह भौतिक चीज़ों पर सुव्यवस्थित कार्यवाही का साधन है।
12	It has a practical mentality based on the outer world experience.	इसकी मानसिकता व्यावहारिक है जो बहरी भौतिक जगत के अभिग्यताओ पर आधारित है।
13	This part deals intelligently with physical things.	यह भाग भौतिक चीज़ों से बुद्धिमानी से पेश आता है।
14	But its reasoning depends on objective facts.	लेकिन इसकी विवेक-बुद्धि तथ्यों पर निर्भर है।
15	It can even arrive at objective truths of the physical world that cannot be seized by our senses.	यह भौतिक दुनिया के उन वास्तविक सत्यों को जान सकता है जो हमारे इंद्रियों से परे है।
16	Experimental physics and the knowledge, thus gathered, is a vast extension of this part of the physical mind.	प्रयोगात्मक भौतिक-शास्त्र और उससे प्राप्त ज्ञान, भौतिक मन का एक विस्तृत प्रवर्धन है।

17	But when it has to deal with supraphysical things, it becomes incompetent.	परन्तु अतिभौतिक विषयों से निपटने में यह अक्षम हो जाता है।
18	The physical mind thinks of God and spirit as abstract concepts.	भौतिक मन ईश्वर और आत्मा को निराकार विषयों के रूप में देखता है।
19	Even when it has spiritual experiences, it finds it difficult to believe them and forgets them easily.	जब इसे आध्यात्मिक अनुभव भी होते हैं, तो उन पर विश्वास करना मुश्किल पा कर उन्हें आसानी से भूल जाता है
20	It lives in rigid thought formulas and habitual grooves of thought.	यह दृढ़ वैचारिक नियमों और सोच के अभ्यासगत खाँचों में रहता है।
21	Narrowness and doubt are the chief defects of the physical mind.	संकीर्णता और आत्म-सदेह भौतिक दिमाग के मुख्य दोष हैं।
22	The lower part of the physical mind is the mind involved in the physical consciousness.	भौतिक दिमाग का निचला हिस्सा दैहिक चेतना में लिप्त है।
23	It is the mental physical or the mechanical mind.	यह मानसिक देह या यांत्रिक मन है।
24	This part is closely tied to the externalising mind.	यह हिस्सा बहिर्बुक्त मन से जुड़ा है।
25	When left to itself, it will simply go on repeating past customary thoughts, ideas and reactions.	अपने आप से, यह केवल पिछले प्रथागत विचारों, धारणाओं और प्रतिक्रियाओं को दोहराएगा।
26	It is habitual and mechanical.	यह प्रथागत और यांत्रिक है

27	It is animated by the physical consciousness, not the rational intelligence.	यह भौतिक चेतना द्वारा अनुप्राणित है, विवेक-बुद्धि द्वारा नहीं।
28	It simply stores, associates, repeats, gives reflexes and reactions to outward contacts of life.	यह जीवन के बाहरी संपर्कों का केवल संग्रह करने, जोड़ने, दोहराने, अनैच्छिक-क्रिया और प्रतिक्रिया देने का काम करता है।
29	This mechanical mind is necessary for the maintenance of things gained through the outer life experiences.	बाह्य जीवन के अनुभवों के माध्यम से प्राप्त वस्तुओं के रखरखाव के लिए यह यांत्रिक मन आवश्यक है।
30	It is by conservation and repetition that Nature does that.	संरक्षण और पुनरावृत्ति द्वारा प्रकृति ऐसा कर पाती है।
31	The subconscious is the basis of conservation and the mechanical mind is the means of repetition.	अवचेतन संरक्षण का आधार है और यांत्रिक मस्तिष्क पुनरावृत्ति का साधन है।

9. Vital Mind प्राणमय मन

No.	VO	
1	The vital mind mediates between vital emotions, desires, impulses and the mind proper.	प्राणमय-मन मध्यस्थता करता है प्राणकोष के भावनाओं, इच्छाओं, आवेगों और समुचित मन के बीच।
2	Its movements are experienced in the upper chest just above the emotional being.	इसकी अनुभूति होती है छाती के ऊपरी भाग में, भावप्रधान आत्म के ठीक ऊपर।
3	The vital mind gives mental forms to the desires, feelings, emotions, passions, ambitions, possessive and active tendencies of the vital.	प्राणकोष की इच्छाओं, भावनाओं, आवेगों, उत्कटेच्छा, महत्वाकांक्षाओं, स्वामित्व और सक्रिय प्रवृत्तियों को मानसिक रूप देता है प्राणमय मन।
4	It uses thought for the service not of reason but the vital pushes, pulls and reactions.	यह विचार को विवेक-बुद्धि के लिए नहीं बल्कि प्राणकोष के खींचा-तानी और प्रतिक्रिया के लिए प्रयोग करता है।
5	It is a mind of dynamic will, action and desire, not of rational intelligence.	यह मन है गतिशील संकल्प, क्रियाशीलता और इच्छा का, विवेक-बुद्धि का नहीं।
6	It is very energetic and creative.	यह बहुत ओजस्वी और रचनात्मक होता है।
7	The function of this mind is to dream or imagine what can be done.	कर्म की कल्पना और स्वप्न देखना इसका प्रकार्य है

8	It lives by imagination and makes formations for the future.	यह कल्पना से सजीव रहता है और भविष्य के लिए संरचनाएं बनाता है।
9	The pure imaginations or dreams of greatness, happiness etc. in which people indulge are one peculiar form of the vital mind activity.	विशुद्ध कल्पनाएं या महानता, खुशी आदि के सपने जिसमें लोग लिप्त रहते हैं, प्राणिक मन के गतिविधि का एक निराला रूप है।
10	By its power of imagination, it goes beyond the sense bound physical mind and the physical actuality.	कल्पना की शक्ति द्वारा, यह इन्द्रिय-बंधित भौतिक मन और वास्तविकता से परे चला जाता है।
11	It has an incessant drive towards self-exceeding.	आत्म श्रेष्ठता की ओर बढ़ने का इसमें दृढ़ संकल्प होता है।
12	It always needs some kind of activity and change.	किसी प्रकार की सक्रियता और बदलाव की आवश्यकता इसे हमेशा होती है।
13	People of action always have vital mind in a very high measure.	क्रियाशील लोगों में हमेशा उच्च मात्रा में प्राणिक मन पाया जाता है।
14	However the vital mind is limited by its emotions, desires and drives.	परन्तु प्राणिक मन की शक्ति उसकी भावनाओं, इच्छाओं और उत्तेजनाओं से सीमित है।
15	It acts in random and excessive ways without discipline or concentration on what really needs to be done.	यह अनुशासन या काम पर एकाग्रता के बिना यादृच्छिक और अत्यधिक तरीके से काम करता है।

16	It has no sense of proportion or measure and is eager to be or achieve something big at once.	इसे अनुपात या माप का कोई ज्ञान नहीं है और एक बार में कुछ बड़ा होने या प्राप्त करने के लिए उत्सुक है।
----	---	--

10. Mind proper: Intelligent Will (Buddhi)

मूल-मनः बुद्धिमत्त संकल्प

No.	VO	
1	The Mind proper is the seat of pure reason and intelligent will.	मूल मन विशुद्ध-विवेक और सुसंकल्प का पीठ स्थान है।
2	It is called buddhi in Sanskrit.	संस्कृत में इसे बुद्धि कहा जाता है
3	This power of intelligent will is normally available to humanity in the current stage of evolution.	सुसंकल्प की ये शक्ति मानवजाति को उसके क्रमागत-विकास के वर्तमान चरण में सामान्यतः उपलब्ध है।
4	It can review the past,	यह अतीत की समीक्षा कर सकता है,
5	envision future possibilities,	भविष्य की संभावनाओं की कल्पना कर सकता है,
6	and give us a sense of continuity of self in the changing flow of life and time experience.	जीवन और समय के बदलते अनुभव में हमें अविच्छिन्नता का बोध करा सकता है।
7	It organises all experiences around the sense of "I" and creates the ego, the surface personality.	यह अनुभवों को आयोजित करता है 'मैं' की भावना को घेर कर और अहम रचित करता है - जो हमारा सतही व्यक्तित्व है।

8	It is an instrument of the soul, by which it comes into ordered possession of itself and its surroundings.	यह आत्मिक उपकरण है, जिसके द्वारा यह स्वयं और परिवेश पर सुव्यवस्थित अधिकार कर लेता है।
9	By the activity of the intelligent will the soul begins the process of awakening.	बुद्धिमत्त-संकल्प के क्रिया से आत्म-जागृति की प्रक्रिया शुरू होती है।
10	There are two parts to the Mind Proper.	मूल मन के दो भाग हैं।
11	The Thinking Mind and	विचारशील मन और
12	The Dynamic Mind.	गतिशील मन।
13	The Thinking Mind is essentially a mind of knowledge.	विचारशील मन तत्त्वतः ज्ञप्ति का मन है।
14	Here pure reason, free from the senses, deals with abstract ideas, principles and the essential nature of things.	यहाँ विशुद्ध युक्ति, इंद्रियों से मुक्त, अमूर्त विचारों, सिद्धांतों और वस्तुओं के तात्त्विक स्वभाव से संबंधित है।
15	It concerns with a disinterested pursuit of truth and knowledge.	इसे सत्य और ज्ञान के निःस्वार्थ खोज में दिलचस्पी है।
16	It lives in the world of ideas.	यह विचारों की दुनिया में रहता है
17	The thinking mind finds its satisfaction in the reasoning and logical intelligence.	विचारशील मन तर्क वितर्क और तार्किक-बुद्धि में अपनी संतुष्टि पाता है।
18	Its role is to give the right direction to our energy and actions.	इसकी भूमिका हमारी शक्ति और

		कार्यों को सही दिशा देना है।
--	--	------------------------------

19	The ability to use reason with any purity is not very common, but the attempt to do so is the topmost capacity of the thinking mind.	शुद्ध रूप से विवेक का उपयोग करना आम नहीं है, पर विचारशील मन की इसमें कोशिश उसकी सर्वोच्च क्षमता है।
20	For action in the world the Thinking Mind depends on the aid of the Dynamic Mind.	दुनिया में सक्रिय होने के लिए विचारशील मन गतिशील मन की सहायता पर निर्भर है।
21	The Dynamic Mind is a mind of Will to action.	गतिशील मन क्रियाशीलता के प्रति दृढ़-निश्चय लाने वाला मन है।
22	It is a channel for putting ideas into action.	विचारों को क्रियान्वित करने का यह एक माध्यम है।
23	It has a pragmatic intellectuality in which creation and action are its real motives.	इसमें एक व्यावहारिक बौद्धिकता है जिसमें सृजन और क्रियाशीलता वास्तविक उद्देश्य हैं।
24	It acts by idea and reason.	यह विचार और सूझ-बूझ से कार्य करता है।
35	To this pragmatic reason, truth is only a formation of the Thinking Mind effective for the action.	इस व्यावहारिक विवेक-बुद्धि के लिए, सत्य केवल विचारशील मन की उत्पत्ति है - क्रियान्वयन में प्रभावशाली।
36	It is in itself, therefore, a mind of the Will to life and action.	अतः, यह अपने आप में, जीवन और क्रियान्वयन में काम आने वाला इच्छाशक्ति का मन है।

37	It uses the Externalising Mind as a channel for manifesting its ideas.	यह अपने विचारों को प्रकट करने के लिए बाह्यमन को एक माध्यम की तरह प्रयोग करता है।
38	However, all these three layers of the mind do not work in their own purity.	हालांकि, मन की ये तीन परतें अपनी विशुद्ध रूप में काम नहीं करती हैं।
39	They are assailed by the defects of the lower instruments.	वे निम्न कर्ता के त्रुटियों से आहत होते हैं।

40	The intelligence and will of the mind must be made free from the invasion of the emotions, desires, drives and the habits.	मन की बुद्धि और इच्छाशक्ति, भावनाओं, लालसाओं, उत्तेजनाओं और आदतों के हस्तक्षेप से मुक्त होनी चाहिए।
41	This will purify the intelligent will and its power of pure reason.	इस से सुसंकल्प और विशुद्ध-विवेक की शक्ति का शुद्धीकरण होगा।
42	For further development, the mind must cease from thought and arrive and inner silence.	आगे के विकास के लिए, मन को विचारशीलता का अंत कर आंतरिक मौन प्राप्त करना होगा।
43	Its inward opening would lead to the discovery of the psychic being and its transformative influence.	इसका आंतरिक-समर्पण से चैत्य पुरुष का प्रकटीकरण और उसके द्वारा होने वाले रूपान्तरिक प्रभाव होगा।
44	Its upward opening would lead to the spiritual ranges of the mind and their transformative influence...	इसका ऊर्ध्व-समर्पण मन के आध्यात्मिक श्रेणियों और उनके परिवर्तनशील प्रभाव की दिशा ले जायेंगी ...
45	An increasingly silent and still mind would open to the inner and higher ranges of the mind.	अत्यधिक शांत और स्थिर मस्तिष्क आंतरिक और ऊर्ध्व मन के श्रेणियों को समर्पित होगा।

11. Inner Being: The Subliminal Self

आन्तरिकात्म : स्वतंत्रचेतना

No.		
1	The subliminal self is a vast and submerged portion of our consciousness.	अंतर-चेतना हमारी चेतना का एक विशाल और अथाह भाग है।
2	Our waking mind and ego are only the tip of an iceberg.	हमारा सचेत दिमाग और अहम केवल एक हिमशैल की नोक के सामान हैं।
3	This tip is experienced as our surface consciousness.	यह नोक हम अपनी सतही चेतना के रूप में अनुभवित् करते हैं।
4	It is our outer being.	यह हमारा बाहरी अस्तित्व है।
5	Behind this outer being is our inner being or the subliminal range.	इस बाहरी अस्तित्व के पीछे हमारी आंतरिक अस्तित्व या अंतर-चैत्य विस्तार है।
6	Behind the outer mind there is a vaster and truer inner mind.	बाहरी मन के पीछे एक और विस्तीर्ण और विशुद्ध आंतरिक मन है।
7	Behind the outer vital there is a vaster and truer inner vital.	बाह्य प्राणधार के पीछे एक विस्तीर्ण और विशुद्ध आंतरिक-प्राणाधार है।
8	Behind the outer physical there is a vaster and truer inner physical.	बाहरी देह के पीछे एक विस्तीर्ण और विशुद्ध आंतरिक-देह है।

9	In these inner ranges are the formations of our larger true individuality.	इन आंतरिक क्षेत्रों में हैं हमारे विशाल और वास्तविक व्यक्तित्व की संरचनाएं।
10	To know our inner being is the first step towards a real self-knowledge.	वास्तविक आत्म-ज्ञान की दिशा में पहला कदम है हमारे आंतरिक स्व से परिचित होना ।
11	It is through dream state that we usually enter the subliminal.	और सामान्यतः अंतर-चेतना में हम प्रवेश करते हैं स्वप्न के माध्यम से।
12	It is a subtle dimension of reality.	वास्तविकता का यह एक सूक्ष्म आयाम है।
13	While dreaming, we move in these subtle worlds using our subtle body.	सपनों में हम पारलौकिक दुनियाओं का भ्रमण करते हैं अपनी सूक्ष्म शरीर में।
14	Our material body is only an outer form.	हमारे मूर्त रूप केवल एक बाहरी अकार हैं।
15	There is an invisible subtle body enveloping the material body.	एक अदृश्य सूक्ष्म-देह मूर्त-शरीर को घेरे रहता है।
16	The chakras or the centres of consciousness are located in this subtle body, not in the material body.	कुण्डलिनी चक्र या चेतना के केंद्र इस सूक्ष्म शरीर में स्थित हैं, मूर्त-शरीर में नहीं।
17	The subtle body is composed of subtle physical, vital and mental sheaths.	सूक्ष्म शरीर सूक्ष्म भौतिक, प्राणाधार

		और मानसिक कोशों का बना है।
--	--	----------------------------

18	It is by using one of these sheaths that we move around in its corresponding subtle worlds or planes of consciousness.	ऐसे ही किसी एक कोश का प्रयोग कर के, हम अनुकूल सूक्ष्म संसारों में अथवा चेतना के भिन्न चरणों में विचरण करते हैं।
19	The subtle body is an individual formation.	सूक्ष्म शरीर एक व्यक्तिगत गठन है।
20	The subliminal extends beyond these sheaths and forms a circumconscient envelope.	अंतर-चेतना इन कोशों के और आगे विस्तृत रहती है और एक प्रभामंडल स्वरूप आवरण बनी रहती है।
21	It is through this envelope that the external world consciousness enters into individual consciousness.	इस आवरण के द्वारा ही बाहरी दुनिया की चेतना व्यक्तिगत चेतना में प्रवेश करती है।
22	This envelop is surrounded by the ocean of universal mind, universal vital and universal physical consciousness.	यह आवरण सार्वभौमिक मन, प्राणाधार और भौतिक चेतना के महासागर से घिरा हुआ है।
23	The circumconscient envelope can expand and open to the universal range.	प्रभामण्डलीय आवरण सार्वभौमिक क्षेत्रों की ओर विस्तृत और व्यापक हो सकते हैं।
24	In this concealed subliminal part of our being, our individuality is close to our universality, in constant relation and exchange with it.	हमारे इस गुप्त अन्तर्चेत्य भाग में, हमारा व्यक्तित्व हमारे सार्वभौमिकता के करीब है, निरंतर संबंध और इसके साथ विनिमय में।

25	All these together constitute the subliminal and universal ranges of our inner being.	ये सभी एक साथ हमारे भीतर के अस्तित्व के अंतर-चेतन और सार्वभौमिक सीमाओं का निर्माण करते हैं।
26	Our body exists in this vaster ocean.	हमारा शरीर इस विशाल समुद्र में विद्यमान है।
27	Our inner being does not depend on the sense organs.	हमारा भीतरी अस्तित्व इन्द्रियों पर निर्भर नहीं होता।
28	It can know through a direct contact of consciousness with another consciousness.	यह चेतना का अन्य चेतना के साथ सीधे संपर्क से बोध प्राप्त करने की क्षमता रखता है।
29	By this inner contact we can know the thoughts and feelings of people around us and feel their impact.	इस आंतरिक संपर्क से हम अपने आसपास के लोगों के विचारों और भावनाओं को जान सकते हैं और उनका प्रभाव महसूस कर सकते हैं।
30	There is an exchange happening all the time without our awareness.	हमारे जानकारी के बिना निरंतर एक विनिमय चलता रहता है।
31	Our inner being has subtle senses and their operations bring telepathy, clairvoyance and other supernormal capacities.	हमारे भीतर सूक्ष्म इन्द्रियां हैं, जिनकी कार्यवाही दूरानुभूति, सूक्ष्म-दृष्टि और अन्य अलौकिक क्षमताएं लाती हैं।

32	It opens the narrow limits of our physical senses and brings an immense range of knowledge and power that are otherwise inaccessible.	यह हमारी भौतिक इंद्रियों की संकीर्ण सीमा को खोलता कर ज्ञान और शक्ति की एक विशाल सीमा प्रदान करती है जो अन्यथा अनुपलब्ध है।
33	From this subliminal come all the greater aspirations, ideals and strivings towards a better humanity.	इस अंतर-चेतना से उत्पन्न होती हैं, बेहतर मानवता की दिशा में सभी बड़ी आकांक्षाएँ, आदर्श और प्रयास।
34	Below the subliminal are the ranges of the subconscious and the unconscious.	अंतर-चेतना से नीचे होती हैं श्रेणियां अवचेतन और अचेतन कीं।
35	These regions are obscure and habitual unlike the subliminal.	यह क्षेत्र अंतर-चेतना के विपरीत अस्पष्ट और प्रथाग्रस्त होते हैं।
36	Above the subliminal are the superconscious ranges	अंतर-चेतना के ऊपर हैं परचेतन्य श्रेणियां।
37	Usually, the word 'unconscious' is used in the Western psychology to cover the subliminal, the subconscious and the superconscious.	साधारणतः; पश्चिमी मनोविज्ञान में 'अचेतन' शब्द का प्रयोग अंतर-चेतना, अवचेतना और परचेतना को समाविष्ट करता है।
38	But Sri Aurobindo clearly distinguishes them.	लेकिन श्री औरोबिन्दो स्पष्ट रूप से उनमें अंतर समझाते हैं।

12. Psychic Being: The Evolving Soul

चैत्य पुरुष: उद्विकासी आत्मा

Sc	Voice Over	
1	Psyche is a Greek word for 'soul'.	यूनानी में आत्मा को Psyche कहते हैं।
2	The soul is a spark of the Divine that supports evolution in the material world.	आत्मा एक दिव्य-किरण है जो भौतिक दुनिया में क्रमागत-विकास का पोषण करता है।
3	It contains all possibilities and it is the function of evolution to give it form.	इसमें सभी संभावनाएं सम्मिलित हैं और क्रमागत-विकास का कार्य है इसे आकार देना।
4	The psychic being is formed by the soul in its evolution.	आत्मा के क्रमागत-विकास से रचित है चैत्य-पुरुष।
5	It is our inmost and true being, behind the surface ego personality.	यह हमारा सबसे अंतरतम और वास्तविक अस्तित्व है, हमारे सतही अहं वाले व्यक्तित्व से परे।
6	It is the <i>antarātman</i> , or <i>caitya puruṣha</i> in Sanskrit.	संस्कृत में इसे अन्तरात्मन या चैत्य-पुरुष कहते हैं।
7	It supports the mind, the vital and the body and grows by their experiences.	यह मन, प्राणाधार और देह का पोषण करते हुए उनके अनुभवों से पनपता है।

8	This psychic being is the representative of the central being, known as <i>jivatman</i> in Sanskrit.	यह चैत्य-पुरुष, केन्द्रिक अस्तित्व का प्रतिनिधि है जिसे संस्कृत में जीवात्मन कहते हैं।
9	The central being above presides over all the births but it does not descend into birth in time.	केन्द्रिक अस्तित्व सभी जन्मों का सञ्चालन करता है लेकिन स्वयं काल में उतर कर जन्म नहीं लेता।
10	It is our eternal and infinite Self.	यह हमारा शाश्वत और अनन्त आत्म है।
11	Spiritual liberation comes by an ascent and union with this universal Self.	आध्यात्मिक मुक्ति मिलती है आरोहण और इस सार्वभौमिक आत्म से मिलाप द्वारा।
12	But for the evolutionary transformation of life and nature, the awakening of the psychic being is indispensable.	लेकिन जीवन और प्रकृति के विकासिक परिवर्तन के लिए, चैत्य-पुरुष का जागृत होना अनिवार्य है।
13	Our psyche, in its early stages of development, exists only as a divine spark.	हमारा चैतन्य, विकास के अपने प्रारंभिक दौर में, केवल एक दिव्य-किरण के समान है।
14	This soul spark evolves through the cycles of rebirth through increasingly complex life forms.	यह आत्म-किरण पुनर्जन्म के चक्रों के माध्यम से क्रमशः जटिल जीवन-रूपों को धारण करते हुए विकसित होती है।
15	It is the impeller of evolution on earth, the Agni of the vedic seers.	पृथ्वी पर विकास को प्रेरित करनेवाला, वैदिक द्रष्टाओं का अग्नि है ये।
16	It carries the essence of experiences from the past births into the present birth.	यह पिछले जन्मों के अनुभवों का सार वर्तमान जन्म में ले आता है।

17	It is the knower of our purpose and mission in the world.	यह हमारे उद्देश्य और वैश्विक-ध्येय का जानकार है।
18	This leader of our evolution is behind the veil of our surface consciousness, the ego, the false outer personality.	हमारे विकास का यह मार्ग-दर्शक, हमारी सतही चेतना, अहम् और झूठी बाहरी व्यक्तित्व के घूँघट के पीछे स्थित है।
19	Our psychic being reveals itself as a gentle response and preference for all that is True, Good and Beautiful.	हमारा चैत्य-पुरुष प्रकट होता है हमारे विनम्र प्रतिक्रियाओं और झुकावों में जो सत्य, सुन्दर और भले हैं।
20	But normally this gentle response gets lost in the flux of surface consciousness.	परन्तु साधारणतः ये सौम्य प्रतिक्रिया सतही चेतना के प्रवाह में गुम हो जाती है।
21	Our identification with the mental chatters, the emotional flux and the sensations; veils the messages coming from the emerging psychic being.	निरंतर दिमागी बड़बड़, भावावेश के उथल-पुथल और इन्द्रिय उत्तेजनाओं से हमारा एकीकरण, सब मिल कर उभरते हुए चैत्य-पुरुष के सन्देशों और इशारों को ढक देते हैं।
22	Therefore it is necessary to establish inner silence and peace.	इसलिए आंतरिक मौन और शांति स्थापित करना आवश्यक है।
23	The psychic being can be discovered by a deep inward journey.	चैत्य-पुरुष को खोज पाना एक गहरी आंतरिक यात्रा के बाद ही संभव है।
24	The more we accept this inner call, the more the inner guide reveals.	जितना हम इस आंतरिक निर्देश को स्वीकार करते हैं, उतना ही ये आंतरिक मार्ग-दर्शक हमें राह दिखाता है।

25	Then, under the influence of the psychic being, the subliminal ranges opens up.	फिर चैत्य-पुरुष के प्रभाव में, अंतर्चेतना के असीम क्षेत्र प्रकट होते हैं।
26	Deep within the depths of the heart is our psychic being.	दिल की गहराईओं के अंदर है हमारा चैत्य-पुरुष।
27	As the psychic comes forward to take charge of our evolution, the utility of the ego ends.	जैसे-जैसे चैत्य-पुरुष उभरता है हमारे क्रमागत-विकास की बाग़-डोर अपने हाथों में लेने के लिए, वैसे-वैसे अहम् की उपयोगिता समाप्त होती है।
28	The natural attitude of the psychic being is to feel itself as the child of God, the devotee.	चैत्य-पुरुष की स्वाभाविक प्रवृत्ति, ईश्वर का एक शिशु, एक भक्त होने का है।
29	It is full of love and delight and feels itself as a portion of the divine.	यह प्रेम और आनंद से भरा है और स्वयं को दिव्य-अंश के रूप में अनुभव करता है।
30	Our true individualisation happens with the emergence of the psychic being.	हमारा वास्तविक व्यक्तिगतकरण चैत्य-पुरुष के उदय होने के साथ होता है।
31	It brings the experience of oneness with the larger existence and yet acts as a unique centre for the action of the divine in the world.	ये दीर्घ-व्यापी जीवन के साथ ऐक्यता का अनुभव कराता है और विश्व में दिव्य-कार्य का एक अनूठे केंद्र का काम करता है।

Planes of consciousness

चित्त क्षेत्र

Sc	Voice Over	
1	Our being has two poles of existence.	हमारे अस्तित्व के दो ध्रुव हैं।
2	The superconscient pole is above.	परचैतन्य ध्रुव ऊपर है।
3	And the inconscient pole is below.	और अचेतन ध्रुव नीचे है।
4	There is vast spectrum of consciousness between these two poles.	इन दो ध्रुवों के बीच चेतना की एक विस्तृत श्रेणी है
5	Our mind can access only a small range of consciousness that lies in between these two poles.	हमारा मस्तिष्क, इन दो ध्रुवों के बीच का, केवल एक छोटे से चेतना-क्षेत्र तक पहुँच सकता है।
6	Sri Aurobindo divides this full spectrum into two hemispheres, the upper and the lower.	श्री औरोबिन्दो इस पूरे वर्णक्रम को दो गोलार्द्धों में विभाजित करते हैं, ऊपरी और निचला।

7	The upper half is our divine higher Nature, the formless eternal and infinite existence beyond time and space.	ऊर्ध्व गोलार्द्ध हमारा दिव्य, उच्च प्रकृति है, निराकार शाश्वत और अनंत अस्तित्व - काल और स्थान से परे।
8	The Blissfully Conscious Existence of Oneness, the Satchidananda in Sanskrit.	एकात्मकता का आनंदमय, चैतन्य, अस्तित्व - संस्कृत में सच्चिदानंद।
9	The lower hemisphere is formed by the three planes of Mind, Vital and Physical worlds in time and space.	निचला गोलार्द्ध - काल और स्थान में स्थित - मन, प्राणाधार और भौतिक दुनिया के तीन श्रेणियों से बनी है।
10	Between the two hemispheres is the Supermind linking both.	इन दो गोलार्द्धों के बीच स्थित है अतिमनस जो दोनों को जोड़ता है।
11	It is the Mahas or Vijnana of the Vedic Rishis.	यह वैदिक ऋषियों का महस या विज्ञान है।
12	Thus, as a whole, there is a vertical hierarchy of 7 planes of consciousness.	इस प्रकार, कुल मिला कर, चेतना के ऊर्ध्वाधर वर्गीकरण के 7 श्रेणियां हैं।
13	The Supermind is the creative power that builds the worlds.	अतिमनस वो रचनात्मक शक्ति है जो विश्व निर्माण करता है।
14	All the higher planes are involved in the physical plane.	सभी उच्च श्रेणियां भौतिक श्रेणी में विद्यमान हैं।

15	The evolution unfolding on the earth is in the physical plane, as a result of pressure arising from within the physical plane to express the involved consciousness.	भौतिक में विद्यमान चेतना को अभिव्यक्त करने के, आंतरिक दबाव के परिणामस्वरूप ही, पृथ्वी पर उभरने वाला क्रमागत-विकास भौतिक क्षेत्र में होता है।
16	This is supported by a descending pressure from the planes above.	यह ऊपर के क्षेत्रों से अवरोही दबाव द्वारा पोषित है
17	The emergence of human beings on earth is a result of the descend of the mental plane into the physical plane.	पृथ्वी पर मनुष्यों का उद्भव मानसिक का भौतिक क्षेत्र में उतरने का एक परिणाम है।
18	A yogi can consciously ascend to the higher planes.	योगी सचेत रूप से उच्च श्रेणियों पर आरोहण कर सकते हैं।
19	Within the mental plane itself there are spiritual ranges.	मानसिक श्रेणियों के सीमाओं में ही आध्यात्मिक क्षेत्र विद्यमान हैं।
20	First is Higher Mind that transforms our step by step linear thought process into mass ideation	प्रारम्भ में उच्चतर मन है जो, हमारे क्रमशः रेखाकार विचार-प्रक्रिया को, व्यापक विचार में परिवर्तित करता है।
21	Second is Illumined Mind of light, vision and revelatory knowledge..	दूसरा क्षेत्र ज्योत, दूरदर्शिता और भविष्यसूचक ज्ञान का प्रकाशित मन है।
22	Third is the Intuition where knowledge comes by identity	तीसरा है अंतर्ज्ञान, जहां ज्ञान एकात्मकता द्वारा प्राप्त होता है।

23	And the Fourth is Overmind, the highest spiritual range of the Mind.	और चौथा है अधिमनस, मन की सर्वोच्च आध्यात्मिक श्रेणी।
24	The Overmind universalises consciousness... ...bringing cosmic consciousness and action.	अधिमनस चेतना को सार्वभौमिक रूप देता है... ... लौकिक चेतना और क्रियाशीलता लाते हुए।
25	Above the bright lid of Overmind is the plane of Supermind	अधिमनस के उज्वल सीमा के ऊपर है अतिमानसिक क्षेत्र।
26	...where it is no more diversity moving towards unity... ... but unity embracing diversity in the infinity of our being...	... जहां, एकता की तरफ बढ़ती हुई विविधता नहीं परन्तु, विविधता को गले लगाती है हुई एकता - हमारे अस्तित्व के अनन्त रूप में ...
27	The power of triple time vision, trikaladrishti, embracing the past, present and future arrives at its perfection.	अतीत, वर्तमान और भविष्य को गले लगाते हुए त्रिपक्षीय काल की दूरदर्शिता और त्रिकालदृष्टि अपनी सिद्धि प्राप्त करती है।
28	Knowledge and Will moves together upon the foundation of oneness...	ज्ञान और संकल्प-शक्ति एकता की नींव पर एक साथ कार्यान्वित होते हैं ...
29	But such an ascent does not transform the human nature.	लेकिन ऐसा आरोहण मानव प्रकृति को परिवर्तित नहीं करती।

30	All these higher ranges are yet to fully descend into human beings and manifest their higher operations.	इन सभी उच्च श्रेणियाँ का मानव जीवन में पूर्ण रूप से अवरोहण और उनके उच्च परिचालनों में प्रकट होना अभी शेष है।
31	Only when the dynamic powers of the higher planes descend...	उच्च श्रेणियों की गतिशील शक्तियों के अवरोहण...
32	...with the psychic being as the support from below....	...नीचे से चैत्य-पुरुष का समर्थन और पोषण के साथ ...
33	...the mental, vital and physical parts of being undergo spiritual and supramental transformation.	...ही मानसिक, प्राणाधारिक और भौतिक भागों में आध्यात्मिक और अतिमानसिक परिवर्तन संभव है।

14. Parts & Planes: Overview

खंड और क्षेत्र: अवलोकन